

प्रार्थना

जयतु जिनशासनम्। जयतु जिनशासनम्।

जिन शासन जयवन्त हो, जिन शासन जयवन्त हो।

Long live discipline of Lord Jina, Long live

मदन-मद-नाशकं, शिवद-सुख-शासकं।

अनात्म-विभासकं, स्वात्म-प्रकाशकं॥

जयतु जिनशासनम्। जयतु जिनशासनम्। (१)

काम और मद को नाश करने वाला, मोक्ष सुख का शासक, अनात्म तत्त्व को दिखाने वाला तथ आत्म तत्त्व का प्रकाशक जिनशासन जयवन्त हो, जयवन्त हो।

The discipline of Lord Jina which is destroyer of lust and pride, the ruler of the bliss of salvation, the demonstrator of non-soul element and the illuminator of the element of soul, that Jina-discipline may long live, long live.

सर्व-करुणाकरं, गुणिजनादर-करं।

दुःखिनां हितकरं, शत्रु-समताधरं॥

जयतु जिनशासनम्। जयतु जिनशासनम्। (२)

सभी जीवों पर करुणा करने वाला, गुणीजनों का आदर करने वाला, दुःखी जीवों का हित करने वाला और शत्रुओं पर समता धारण करने वाला जिनशासन जयवन्त हो, जयवन्त हो।

The discipline of Lord Jina which bestows compassion on all living beings, which respects the talented and virtuous, which is the benefactor of distressed (grief-stickens) and which assumes equanimity even on enemies that Jina-discipline may long live, long live.

पाप-पञ्चान्तकं, मोह-विध्वंसकं।

शान्ति-संवर्द्धकं, मोक्ष-पुरुषार्थकं॥

जयतु जिनशासनम्। जयतु जिनशासनम्। (३)

पाँच पापों का अन्त करने वाला, मोह का विनाशक, शांति को बढ़ाने वाला और मोक्ष पुरुषार्थ करने वाला जिनशासन जयवन्त हो, जयवन्त हो।

The discipline of Lord Jina which is the destroyer of all the five sins, which is the devastator of delusion, which augments tranquility and which efforts for attaining salvation, that Jina-discipline may long live, long live.

प्रमाण-नय-कीर्तनं, कदाग्रह-कर्तनं।

अनेकान्तार्थदं, रत्नत्रयात्मकं॥

जयतु जिनशासनम्। जयतु जिनशासनम्। (४)

प्रमाण और नय का कीर्तन करने वाला, कदाग्रह को कुतरने वाला, अनेकान्त रूप पदार्थ को देने वाला और रत्नत्रय स्वरूप जिनशासन जयवन्त हो, जयवन्त हो।

The discipline of Lord Jina which extols valid knowledge and standpoint, which nibbles the intransigence, which gives matter in the form of manifold predictions and which is in the nature of three jewels (right faiths, right knowledge & right conduct), that Jina-discipline may long live, long live.

विरोधिनय-मर्दनं, विवक्षित-वादनं।

परिग्रह-मोचकं, अहिंसा-घोषकं॥

जयतु जिनशासनम्। जयतु जिनशासनम्। (५)

विरोधी नय का मर्दन करने वाला, विवक्षित वस्तु को कहने वाला, परिग्रह को छुड़ाने वाला और अहिंसा का घोषक जिनशासन जयवन्त हो, जयवन्त हो।

The discipline of Lord Jina which crushes the contrary standpoint, which tells the intended/implied thing, which causes abandonment of attachment to belongings and which is declarer of non-violence, that Jina-discipline may long live, long live.